केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 234 शुक्रवार 15 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

विधान परिषद के 13 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

लखनऊ (आभा)। यूपी विधान परिषद के चुनाव में गुरुवार को कुल 13 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। 13 सीटों पर 13 ही प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था। इनमें एनडीए के दस और सपा के तीन उम्मीदवार शामिल हैं। एनडीए में सात भाजपा और एक–एक अपना दल एस, रालोद और सुभासपा के नेता अब एमएलसी बन गए हैं। सहायक निर्वाचन अधिकारी राम औतार सिंह द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक बृहस्पतिवार को नाम वापसी की आखिरी तिथि की समय सीमा समाप्त होने के बाद सभी 13 प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

राम औतार सिंह ने बताया में निर्वाचित प्रत्याशियों में डॉ. महेंद्र सिंह, विजय बहादुर पाठक, अशोक कटारिया, रामतीरथ सिंचल, संतोष सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, आशीष पटेल, विच्छेलाल, योगेश चौधरी, बलराम यादव, शाह आलम एवं किरण पाल कश्यप शामिल हैं। निर्वाचित प्रत्याशियों को निर्वाचन अधिकारी ब्रजभूषण दुबे ने प्रमाण पत्र दिए। निर्वाचित प्रत्याशियों में भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र सिंह, विजय बहादुर पाठक, अशोक कटारिया, रामतीरथ सिंचल, संतोष सिंह, धर्मेंद्र सिंह और मोहित बेनीवाल शामिल हैं।

अपना दल (एस) की ओर से आशीष पटेल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की ओर से विच्छेलाल और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की ओर से योगेश चौधरी शामिल हैं। समाजवादी पार्टी के तीन प्रत्याशी बलराम यादव, शाह आलम एवं किरण पाल कश्यप निर्वाचित हुए हैं। उप विधान परिषद के 13 सदस्यों का कार्यकाल इस साल मई में समाप्त हो रहा था। सुभासपा पहली बार विधानपरिषद में आई है।

इंजीनियरिंग कॉलेज के लिये 134 पदों की स्वीकृति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इंजीनियरिंग कॉलेज के अगले सत्र की क्लास बस्ती कैंपस में चलेगी। मुख्यमंत्री ने इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व असिस्टेंट प्रोफेसर सहित 134 पदों की स्वीकृति दे दिया है। शिक्षकों व शिक्षणेतर अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती से छात्रों में खुशी की लहर है।

बस्ती इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण 16 मई 2016 को शुरू हुआ था। उस समय कॉलेज की लागत 43 करोड़ 46 लाख थी। निर्माण के शुभारंभ के बाद से सत्ता बदल गई और इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण धीमी गति से होता रहा। आठ वर्षों से कॉलेज के निर्माण में रुक–रुक कर काम चलता रहा है। कार्यदायी संस्था सीएण्डडीएस के जेई जेपी यादव ने बताया कि अभी भी लगभग करोड़ रुपये का बजट मिलना शेष है। शेष धनराशि से 15 प्रतिशत काम में टाइप टू, थ्री एंड फोर आवास का निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेज का 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। 500 केवीए के ट्रांसफॉर्मर लगते ही वाह्य विद्युत कनेक्शन के तत्काल बाद पठन–पाठन शुरू हो जाएगा। निदेशक डॉ. कुलदीप सहाय का अस्थायी आवास टाइप वन दिया गया है, जिसमें वे रह रहे हैं। शासन स्तर पर दैनिक रूप से काम का पर्यवेक्षण किया जा रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती के निदेशक डॉ. कुलदीप सहाय ने बताया कि बस्ती के छात्रों की क्लासेज लखनऊ के आईइटी कॉलेज में चल रहा है। इस सत्र से बस्ती कैंपस में क्लास चलना शुरू हो जाएगा और चार ट्रेड पर पढ़ाई होगी।

किसान महापंचायत में गूंजा एमएसपी का मुद्दा

नई दिल्ली (आभा)। रामलीला मैदान में गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा की एक बड़ी किसान महापंचायत हुई। कृषि से जुड़ी समस्याओं और मांजपा के नेतृत्व वाली केंद्र की नीतियों के विरोध में हो रही इस महापंचायत में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में किसान रामलीला मैदान में जुटे। यह किसान महापंचायत दोपहर 2 बजे तक चली इसके मद्देनजर दिल्ली पुलिस द्वारा राजधानी में सुरक्षा के कड़े बंदोस्त किए गए थे।

किसान नेता राकेश टिकैत ने संयुक्त किसानों मोर्चा की रामलीला मैदान में बैठक के दौरान कहा कि देश में सब जगह आंदोलन चल रहे हैं। बहुत से आंदोलन दिखाई नहीं दे रहे हैं। जो भी सरकार किसानों के खिलाफ फैसला लेगी उनके खिलाफ आंदोलन चलता रहेगा। किसान महापंचायत को लेकर राकेश टिकैत ने कहा कि इस बैठक के जरिए सरकार को मैसेज दिया गया है कि हम सभी एक हैं। यह आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है। सरकार को बातचीत के जरिए हमारी मांगों को लेकर रास्ता निकालना चाहिए।

एमसएपी पर कानून समेत अन्य मांगों को लेकर रामलीला ग्राउंड में महापंचायत के दौरान किसानों ने सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए।

इसके साथ ही किसानों ने सरकार से मांग भी की है कि एमएसपी को जल्द से जल्द लागू किया जाए।

किसानों के इस महापंचायत को लेकर पुलिस सभी जगह पर अलर्ट नजर आई। पुलिस ने दिल्ली में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी और वाहनों की सघन जांच भी की जा रही थी। बॉर्डर पर भी सुरक्षा के व्यापक इंतजाम थे। बताया जा रहा है कि किसान 23 मार्च को देश भर में बड़ा आयोजन कर सकते हैं। दिल्ली के रामलीला मैदान में महापंचायत कर किसानों ने आगे की रणनीति पर चर्चा की है। पंजाब के संगरूर, मोगा समेत कई जिलों से किसान दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महासभा में शामिल होने के लिए बुधवार रात को ही 12 बजे के बाद रोहतक रोड पर पहुंच गए थे।

महिला ग्राम प्रधान ने उच्चाधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राम नगर विकास खण्ड के मैलानी उर्फ हिन्दू नगर की महिला ग्राम प्रधान भुनेश्वरी ने पुलिस उच्चाधिकारियों को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है।

भेजे पत्र ग्राम प्रधान भुनेश्वरी देवी ने कहा है कि ग्राम पंचायत मैलानी उर्फ हिन्दू नगर के सतेन्द्र मिश्रा पुत्र जटाशंकर मिश्रा ने जोगिया चौराहे पर अस्पताल खोला है, इनके डिग्री की जांच करायी जाय। इनके इंजेक्शन से उनके ग्राम पंचायत में कई लोग बीमार पड़ गये हैं क्षेत्र में दो–तीन लोगों की जान भी चली गयी है। इसकी शिकायत भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष जो 2014 से हैं राधेश्याम निषाद ने जिला चिकित्साधिकारी बस्ती से किया 2 फरवरी 2024 को फिर कुछ दिन बाद अधीक्षक स्वास्थ्य केन्द्र भानपुर डा० सचिन चौधरी से शिकायत की गई। डा० सचिन चौधरी ने सतेन्द्र मिश्रा के अस्पताल की जांच किया, उसी दिन शाम को सतेन्द्र मिश्रा ने एक मनगढंत कहानी रची मेडिकल लाइन के जानकारी के कारण आर्टिफिसियल चोटें बनवाकर राधेश्याम, नेबूलाल पुत्रगण बाबूराम ग्राम मैलानी उर्फ हिन्दू नगर व सुनील कुमार त्रिपाठी पुत्र लालजी त्रिपाठी को मुल्जिम बनवा दिया। ग्राम प्रधान के अनुसार इसमें क्षेत्र के प्रभावशाली व दबंग नेता के दबाव में पुलिस कार्य कर रही है न्याय अन्याय देखा ही नहीं जा रहा है। निष्पक्ष तरीके से जांच की जाये पूरे ग्राम पंचायत वासियों से भी पूछताछ की जाये तो सच सामने आ जायेगा। उनके गांव के आम जन मानस में भय व्याप्त है कैलाश नाथ मिश्रा, बृजेश मिश्रा पुत्रगण रामशंकर मिश्रा ग्राम– मैलानी उर्फ हिन्दू नगर के दोनों डीह के लोगों से, रुस्तमपुर के लोगों के लोगों से, मैलानी उर्फ बेलवा के लोगों से, जोगिया चौराहे के लोगों के लोगों से, पूंछतांछ की जाये, उपेन्द्र मिश्रा, सतेन्द्र मिश्रा पुत्रगण जटाशंकर मिश्रा, क्षेत्र के दबंग नेता के गोल बनाकर रहते है तथा भय का माहौल पैदा कर दिये है जबकि राधेश्याम के शिकायती पत्र की जांच डाक्टर सचिन चौधरी ने किया था।

ग्राम प्रधान ने मांग किया है कि सोनहा थाने में तीन व्यक्तियों पर दर्ज मनगढन्त मुकदमें को समाप्त कर षड्यंत्र करने वाले दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

शिक्षा से बदलेगा महिलाओं का जीवन– संजय कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में गुरुवार को प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में महिला विकास एवं सशक्तिकरण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करने के उपरांत सेमीनार को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षा ही सबसे प्रमुख साधन है जिसके द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है। कहा कि भ्रूण, हत्या, दहेज–हत्या, यौन उत्पीड़न, महिलाओं का शोषण और दोहन सभ्य समाज के लिए कलंक है इससे निपटने के लिए महिलाओं को शिक्षित, जागरुक और संगठित होना आवश्यक है। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या नीलम सिंह और श्रीमती कृष्णा कुमारी पाण्डेय कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या सुरभि सिंह ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना होगा। महिलाओं को अपनी सोच मजबूत रखते हुए अपने आप को मानसिक रूप से सशक्त करना होगा तभी वह जीवन में आगे बढ़ पाएंगी। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण प्रभारी डॉ रविनाथ त्रिपाठी ने किया। सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, गोविन्द प्रसाद, कल्पाण पाण्डेय, कुलदीप चौधरी, अलीउद्दीन खान, इमरान सहित बड़ी संख्या में बीटीसी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

2 चुनाव आयुक्त नियुक्त

सुखबीर संधू

ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली (आभा)। चुनाव आयोग में खाली चुनाव आयुक्तों के 2 पदों पर नियुक्ति हो चुकी है। इन पदों के लिए सुखबीर सिंह संधू और ज्ञानेश कुमार को चुना गया है। इस बाबत पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समिति की बैठक की गई थी, जिसके बाद इन दोनों नामों पर मुहर लग गई है। समिति के सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने इस बाबत कहा कि दो इलेक्शन कमिश्नर के चयन की मीटिंग हुई। चुनाव केलिए पद रिक्त नहीं होना चाहिए, हम यह मानते हैं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी इस समिति में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, अर्जुनराम मेघवाल और अधीर रंजन चौधरी शामिल थे। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि इस बैठक में 6 नामों पर चर्चा की गई।

के मुताबिक इस बैठक में उत्पल कुमार सिंह, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, ज्ञानेश कुमार, इंदीवीर पांडेय, सुखबीर सिंह, गंगाधर राहत के नामों पर चर्चा की गई। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मैंने पहले ही एक शॉर्टलिस्ट मांगा था। मतलब छोटी सूची हमें सौंपी जाए। मुझे जो सूची दी गई थी, उसमें 212 नाम थे। हमारी कमेटी में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल हैं। यानि सरकार की बहुमत है। यानी सरकार के मुताबिक ही चुनाव आयुक्त का चयन होगा।

प्रगति में तेजी लायें अधिकारी वरना होगी कार्यवाही

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सीएम डैशबोर्ड के अनुसार विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी ने सभी अधिकारियों को कार्य में तेजी लाकर शत–प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना, अवस्थापना औद्योगिक, एमयू मानीटरिंग के कार्यों में अपेक्षित प्रगति ना पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त किया। इस संबंध में उन्होने विभागीय अधिकारियो को निर्देशित किया है कि एक सप्ताह में प्रगति में सुधार करें अन्यथा उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही एवं वेतन बाधित किया जायेगा।

बैठक के दौरान उन्होने प्रधानमत्री आवास योजना, निराश्रित गोवंश, स्वच्छ भारत मिशन, निर्माण कार्य, खनन, खाद्य एवं औषधि, स्वामित्व योजना, दैनिक विद्युत आपूर्ति,, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन, आबकारी, पंचायतीराज, निर्विवाद उत्तराधिकार, विवेकाधीन मानचित्र, डीसी एनआरएलएम, मण्डी सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा किया। इस संबंध में उन्होने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक दिशा निर्देश दिया और कहा कि शासन के निर्देशानुसार अपेक्षित प्रगति हासिल करना सुनिश्चित करें।

बैठक का संचालन डीएसटीओ ईशा शर्मा ने किया। इसमें सीडीओ जयदेव सीएस, एडीएम कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, पीडी राजेश कुमार झा, ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र सिंह, सीडीओ डा. अमर सिंह, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, अधिशासी अभियन्ता विद्युत महेन्द्र मिश्र, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, कृषि अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, एलडीएम आर. एन. मौर्या सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन 19 को: बैठक में बनी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को पुरानी पेंशन बहाली मंच के आवाहन पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कलेक्ट्रेट परिसर स्थित संघ भवन पर जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 19 मार्च की शाम को पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा जायेगा।

बैठक को सम्बोधित करते हुये परिषद के अध्यक्ष मस्तराम वर्मा और जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन किये गये किन्तु केन्द्र की सरकार अपनी हठवादिता पर कायम है। ऐसी स्थिति में पुरानी पेंशन बहाली के लिये संघर्ष की धार तेज करना होगा।

परिषद के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राम अधार पाल ने बताया कि 1 मई मजदूर दिवस से समूचे देश में पुरानी पेंशन बहाली के लिये केन्द्र और राज्यों के कर्मचारी अनिश्चित कालीन हड़ताल करेंगे। इसमें रेलवे, आयकर, डाक, रक्षा मंत्रालय, राज्य कर्मचारी, शिक्षक भागीदारी करेंगे। कहा कि एकजुटता के आगे सरकार को झुकना होगा और पुरानी पेंशन बहाल होगी।

बैठक में कोषागार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अखिलेश पाठक, डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ अध्यक्ष ई. अभिषेक सिंह, विकास भवन कर्मचारी संघ महामंत्री ओम प्रकाश, ग्राम पंचायत अधिकारी संघ अध्यक्ष अरूणेश पाल, कृषि मिनीस्ट्रीयल कर्मचारी संघ अध्यक्ष सचिन पाण्डेय, बोरिंग टेक्निशियन लघु सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष पाण्डेय, दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष अशोक सिंह, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्र आदि ने एकजुटता पर जोर देते हुये कहा कि 19 मार्च को बड़ी संख्या में दिन में 2 बजे कर्मचारी एकत्र हो और ज्ञापन सौंपकर अपनी ताकत का अहसास करायेंगे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर हुई बैठक में मुख्य रूप से पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के पूर्व महामंत्री मंशाराम, राहुल श्रीवास्तव, राजेश कुमार, शिवमंगल पाण्डेय, रामवरन, अम्बिका प्रसाद वैश्य, रवि गुप्ता, विमल कुमार आनन्द, अंजू प्रसाद, सूरज कुमार, अमन सिंह, बजरंगी प्रसाद, राजेश चौधरी के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी, उपस्थित रहे।

सांसद हरीश द्विवेदी ने किया स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में स्थापित स्तंभ के जीर्णोद्धार का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को सांसद हरीश द्विवेदी ने संविलियन विद्यालय बनकटी के प्रांगण में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में स्थापित स्तंभ के जीर्णोद्धार एवं पुर्नस्थापना का लोकार्पण किया। कहा कि देश को स्वतंत्र कराने में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का महत्वपूर्ण योगदान है। उनकी स्मृतियों को संजाये रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। कहा कि बनकटी के शिक्षकों की पहल सराहनीय है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के अध्यक्ष अभय सिंह यादव और उनके साथी शिक्षकों का कार्य अनुकरणीय है। इससे नयी पीढी को प्रेरणा लेनी चाहिये।

नगर पंचायत बनकटी प्रतिनिधि अरविन्द पाल ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को संरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लाल बिहारी लाल शर्मा के पौत्र कुलदीप को सम्मानित कर हम सब उत्साहित अनुभव कर रहे हैं। विधान सभा परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह के प्रतिनिधि हरीश सिंह, बस्ती मंडल के सहायक शिक्षा निदेशक संजय कुमार शुक्ला के साथ ही क्षेत्रीय नागरिकों, शिक्षकों की उपस्थिति में

–सामूहिक प्रयास से हुआ जीर्णोद्धार, स्वतंत्रता सेनानी के पौत्र सम्मानित
–ए.डी. बेसिक संजय शुक्ल ने छात्राओं को पुरस्कृत कर बढाया हौसला
–समाज को दिशा देने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण– अरविन्द पाल
–जारी रहेंगे रचनात्मक प्रयास– अभय सिंह यादव

सेनानियों की याद में स्थापित स्तंभ के जीर्णोद्धार एवं पुर्नस्थापना का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। सहायक शिक्षक निदेशक संजय शुक्ला ने कहा कि शिक्षक का दायित्व है कि वह अपने समय के प्रतिमान और सुखद अतीत को संजोते हुये आगे बढे। देश को आजादी दिलाने में शिक्षकों, अधिवक्ताओं और युवाओं का सर्वाधिक योगदान रहा है।

कार्यक्रम को प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल, समाज सेवी सत्य प्रकाश सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर संतोष शुक्ला, भवानी प्रसाद शुक्ला प्रधान संघ के अध्यक्ष रवि चन्द्र पाण्डेय अश्वनी उपाध्याय , सुदर्शन प्रसाद त्रिपाठी, राघवेन्द्र उपाध्याय, वंशराज मौर्य, अरूण यादव, भवानी प्रसाद शुक्ल, डा. राजेश के साथ ही अनेक लोगों ने सम्बोधित किया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के अध्यक्ष अभय सिंह यादव ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुये कहा कि संविलियन विद्यालय बनकटी के प्रांगण में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में स्थापित स्तंभ उपेक्षित पड़ा था, हम सबके मन में आया कि इसका जीर्णोद्धार हो। सबके सहयोग से यह कार्य पूर्ण हुआ। प्रयास होगा कि इस प्रकार के रचनात्मक कार्य की निरन्तरता बनी रहे। संविलियन विद्यालय बनकटी के कक्षा 4 की छात्रा पहल पाल ने मंच पर ही अपने विद्वता का प्रदर्शन किया जिसपर ए. डी. बेसिक द्वारा पांच छात्राओं को पुरस्कृत कर उन्हें सम्मानित किया गया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं संगठन के मंत्री चंद्रशेखर शर्मा ने आभार व्यक्त किया । संचालन अतुल कृष्ण राज ने किया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से दुर्गेश राव , राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक मो. इकबाल , डा अनिल मौर्या, मो वसीम , रामचंद्र शुक्ल , सौरभ कुमार तिवारी , नवीन चौधरी , आदित्य नाथ तिवारी , धर्मेंद्र उपाध्याय , मंजेश राजभर , रवि प्रताप सिंह , राकेश मिश्रा राही , दीपक पाण्डेय , वंश राज गुप्ता , अल्पना यादव , आशा त्रिपाठी , सीमा पाण्डेय, राजकुमारी शुक्ला , शांती यादव , अभिषेक यादव , आदित्य पाण्डेय, अभिराम उमराव , विवेक तिवारी , ध्रुव नारायण दुबे, महेंद्र सिंह , शारदा चौबे , राजेश सिंह , के.सी. सिंह, बबिता सिंह , नूतन , दिग्विजय नाथ यादव , आदित्य नाथ पांडेय , मारूफ खान , अंकित पाण्डेय , विवेकानंद शुक्ला , प्रमोद पाण्डेय , अंगद पाण्डेय , कृष्ण बिहारी पाण्डेय , अजय पाल सूर्यवंशी , गिरजेश प्रसाद चौधरी महेंद्र पटेल , सुनीता सिंह , शिव कुमार , दीपक रविदास सहित सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकायें मौजूद रहे ।

सोमेश हत्याकाण्ड के विरोध में भारत मुक्ति मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को भारत मुक्ति मोर्चा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में कटेश्वर पार्क स्थित बाबा साहब की प्रतिमा से जिलाधिकारी कार्यालय तक पद यात्रा निकालकर अन्याय, अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन किया।

जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से डीएम को दिये ज्ञापन में मांग किया गया कि रामपुर जनपद के तहसील व थाना मिलक ग्राम सिलई बडा गांव में जाटव जाति के कक्षा 10 के छात्र सोमेश पुत्र गेदनलाल की पुलिस ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दिया। गांव के दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। जाटव और पुलिस प्रशासन के बीच डा. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा लगाने और पार्क बनवाने की मांग को लेकर यह विवाद हुआ। मांग किया कि सोमेश के हत्यारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम के नेतृत्व में न्याय दिलाने की मांग को लेकर राष्ट्रीय और प्रान्तीय स्तर पर संघर्ष किया जा रहा है।

इसी कड़ी में डीएम को सौपें दूसरे ज्ञापन में भारत मुक्ति मोर्चा ने मांग किया कि परसुरामपुर थाना क्षेत्र के रोहदा गांव में दलित राजाराम के अपहरण और हत्या मामले में पुलिसकर्मी सुरेन्द्र कुमार वर्मा के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज कर न्याय दिलाया जाय। आर.के. आरतियन ने कहा कि पुलिस मामले में लीपापोती कर हत्या के मामले में दुर्घटना में बदलकर रफा दफा कर देना चाहती है। बताया कि दलित अनीता देवी पत्नी गुलाब चन्द ने पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर अपने ससुर राजाराम के अपहरण और हत्या मामले में पुलिसकर्मी सुरेन्द्र कुमार वर्मा के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज कराने की मांग किया था किन्तु कोई कार्रवाई नहीं की गई। यदि पुलिसकर्मी सुरेन्द्र कुमार वर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी न की गई तो पार्टी आन्दोलन को बाध्य होगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से हृदय गौतम, बुद्धेश राना, चन्द्रिका प्रसाद, ससाग्रसेन मेधाकर, गुलाब चन्द, राम सुरेश यादव, रामलेश बौद्ध, हरिनाथ, सूरज कुमार, उर्मिला देवी, अनीता देवी, ऊषा देवी, मंसूरा देवी, आलोक कुमार, सरिता राव के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक **भारतीय बस्ती**

बस्ती 15 मार्च 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

अरुणाचल पर कुदृष्टि

यह पहली बार नहीं है कि चीन ने अरुणाचल पर कुतर्कों का राग अलापा हो। गाहे—बगाहे जब भी भारत के विशिष्ट व्यक्ति अरुणाचल जाते हैं और भारत सामरिक बढ़त लेता दिखता है, चीन गीदड़ भभकियां देने लगता है। हालिया मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते शनिवार बेहद ऊंचाई पर स्थित सबसे लंबी सुरंग के उद्घाटन का है। जिसको लेकर चीन को बेचौनी हुई है। उसने प्रधानमंत्री की अरुणाचल यात्रा पर भारत से राजनयिक आपत्ति दर्ज करायी है। जिसका कोई औचित्य नहीं है। दरअसल, साम्राज्यवादी चीन धरातल पर सैन्य ताकत दिखाने के साथ ही मनोवैज्ञानिक स्तर पर युद्ध लड़कर भी दबाव बनाने की कुत्सित कोशिशें करता रहता है। दरअसल, प्रधानमंत्री ने अरुणाचल के तवांग को असम के तेजपुर से जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी सेला सुरंग राष्ट्र को समर्पित की थी। इस सुरंग के काम करने से अब तमाम प्रतिकूल मौसम में भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तवांग तक भारतीय सैनिकों की आवाजाही व हथियार—रसद की आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। भारत की सामरिक बढ़त पर चीन का तिलमिलाना स्वाभाविक ही है। करीब तेरह हजार फीट पर बनी यह सुरंग इस ऊंचाई पर बनी सबसे लंबी सुरंगों में शुमार है। जाहिर है भारत की इस कामयाबी से चीन का तिलमिलाना स्वाभाविक ही था। दरअसल,चीन अरुणाचल पर अनावश्यक दबाव बनाते हुए इसे अपने कब्जाये हुए तिब्बत का दक्षिणी भाग बताता है। यह सर्वविदित है कि भारत—चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर हुए समझौते में अरुणाचल को चीन ने भारत का अंग माना है। निस्संदेह, लोकतांत्रिक विश्व में अंतर्राष्ट्रीय सीमा की अनदेखी करके अपना अधिकार जताने का कोई औचित्य नहीं है। ऐसा नहीं हो सकता है कि कोई देश दूसरे देश के हिस्से पर अपनी काल्पनिक दावेदारी जताकर आंखें दिखाए। उल्लेखनीय है कि बीते साल भी चीन ने अपने एक विवादित नक्शे में न केवल अरुणाचल के कुछ हिस्सों पर अपनी दावेदारी जतायी थी बल्कि अपनी दादागीरी दिखाने को कुछ स्थानों के नाम भी बदल दिये थे। जिसको लेकर भी भारत ने तल्ख प्रतिक्रिया प्रकट की थी।

बहरहाल, अरुणाचल पर चीन की हालिया टिप्पणी पर भारत ने कड़ा प्रतिवाद किया है और इसे हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता पर आंच आने वाले कृत्य के तौर पर देखा है। जाहिर बात है कि ताकतवर मुल्क यदि अन्य देशों के भौगोलिक इलाकों को लेकर ऐसा रवैया अपनाएंगे तो फिर अंतर्राष्ट्रीय सीमा का क्या औचित्य रह जाएगा। यही वजह है कि भारत ने चीन के खोखले दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। निस्संदेह, यह घटनाक्रम चीन के दोहरे चरित्र को ही दर्शाता है। एक तरफ तो बातचीत के लिये चीन टेबल पर आता है और दूसरी तरफ भड़काऊ गतिविधियों के जरिये संबंधों को पलीता लगाने की नापाक साजिशें भी करता रहता है। कई बार भारतीय खिलाड़ियों को चीन जाने पर स्टैपल वीजा देकर विवादों को हवा देता रहा है। जाहिर इस तरह के कृत्य से पहले ही जटिल होते दोनों देशों के संबंधों में सुधार की कोशिशों पर पानी ही फिरता है। दीर्घकाल में सीमा विवाद को सुलझाने के प्रयासों को भी झटका ही लगता है। वहीं दूसरी ओर अरुणाचल की सीमा पर अस्थिरता पैदा करने की चीन की साजिशें जगजाहिर हैं। उसने अरुणाचल सीमा के पास तमाम स्थायी सैन्य व संरचनात्मक विकास किया है। इधर राजग सरकार के दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा के आसपास सड़कों,पुलों,सुरंग व सैन्य हवाई पट्टियों का निर्माण बहुत तेजी से किया गया है। 'नहले पे दहला' की भारतीय कोशिशों को चीन पचा नहीं पा रहा है। जिसकी प्रतिक्रिया में वह गाहे—बगाहे अरुणाचल पर थोथी दावेदारी करता रहा है। चीन भूल रहा है कि भारत अब 1962 के दौर से बहुत आगे निकल गया है। मजबूत थल, जल व वायु सेना उसके हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। हाल ही में भारत द्वारा सफलतापूर्वक प्रक्षेपित उन्नत मिसाइल चीन के हर इलाके में कहर बरपाने में सक्षम है। अब चीन का भविष्य भी सहअस्तित्व के सिद्धांत को स्वीकारने में ही है। उसे याद रखना चाहिए कि घात व बात दोनों साथ—साथ नहीं चल सकते। आज भारत उसकी विस्तारवादी नीतियों का करारा जवाब देने की स्थिति में आ चुका है।

रोजगार के बाद कांग्रेस की न्याय गारंटी

—अभिनव आकाश—

मध्य प्रदेश के चुनाव के वक्त लाडली बहना कार्यक्रम जिसमें शिवराज सिंह की सरकार ने वादा किया था कि सभी बहनों को हर महीने पहले 1000, फिर 1250 रुपए और उसके बाद यह राशि बढ़ाकर 3 हजार रुपए प्रति महीना कर दिया जाएगा। परिणामस्वरूप बीजेपी को राज्य में धमाकेदार जीत दर्ज की। वहीं पीएम मोदी की फ्री राशन स्कीम यानी पांच किलो अनाज वाले मुद्दे ने भी बीजेपी को कई राज्यों में लाभांवित किया है। वहीं इतिहास के अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही ग्रैंड ओल्ड पार्टी कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में एक अदद जीत की आस के साथ चुनावी पिटारों से वादों की बरसात शुरू कर दी है। महिलाओं को ध्यान में रखकर कांग्रेस ने नारी न्याय गारंटी का ऐलान किया है। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 13 मार्च को नारी न्याय गारंटी का ऐलान करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार बनती है तो महिलाओं को केंद्र सरकार की नौकरियों में आधा हक दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर 5 घोषणाएं की गई हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पांच वादे 2019 के चुनाव घोषणापत्र का एक ताजा संस्करण प्रतीत होता है। 2019 के आम चुनाव से पहले, कांग्रेस ने सत्ता में आने पर न्यूनतम आय सहायता कार्यक्रम (MISP) या न्यूनतम आय योजना (न्याय) शुरू करने का वादा किया था। इसमें रुपये का नकद हस्तांतरण शामिल था। सभी भारतीय परिवारों में से सबसे गरीब 20 प्रतिशत (लगभग 5 करोड़ परिवार) को 72,000 प्रति वर्ष देने की बात कही गई थी। उस वक्त भी पार्टी ने कहा था कि श्जहां तक घ्संभव होगा पैसा परिवार की किसी महिला के खाते में ट्रांसफर किया जाएगा। उस वक्त अर्थशास्त्री ज्यां ड्रेज ने न्याय के कारण कुल वार्षिक खर्च 3,60,000 करोड़ रुपये या भारत की जीडीपी का लगभग 2: होने का अनुमान लगाया था।

घोषित पांच वादों में से सबसे बड़ा, कम से कम वित्तीय निहितार्थ के संदर्भ में वादे को 'महालक्ष्मी' कहा जाता है और इसमें एक गरीब परिवार की महिला को हर साल 1 लाख रुपये हस्तांतरित करना शामिल है। हालाँकि, इसका लक्ष्य कितने गरीब परिवारों को लक्षित करना है, इसकी सटीक संख्या का कोई उल्लेख नहीं है। जैसा कि हालात हैं, भारत का गरीबी अनुमान अलग—अलग पद्धतियों के आधार पर काफी भिन्न है। उदाहरण के लिए, नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक में गरीबी अनुपात लगभग 11: आंका गया है, जबकि इसके सीईओ ने कथित तौर पर दावा किया है कि अगर पिछले महीने जारी उपभोग व्यय सर्वेक्षण के नवीनतम आंकड़ों को ध्यान में रखा जाए तो गरीबी 5: तक कम हो सकती है। विश्व बैंक ने प्रति दिन 2.15 अमेरिकी डॉलर (या क्रय समता के संदर्भ में 48.9 रुपये) पर रहने वाले लोगों की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर 2022—23 में भारत का गरीबी अनुपात 11.3: आंका है। तो अगर कांग्रेस चालू वित्तीय वर्ष में महालक्ष्मी वादे को लागू करती है तो सरकार को कितना नुकसान होने की संभावना है? अर्थशास्त्री संतोष मेहरोत्रा का कहना है कि अगर सरलता के लिए कोई गरीबी अनुपात 10: मान लेता है, तो इसका मतलब है कि लक्षित लाभार्थी 14 करोड़ परिवार होंगे (कुल जनसंख्या 140 करोड़ मानते हुए)। यदि प्रत्येक गरीब परिवार से एक महिला को लक्षित किया जाए यानी 2.8 करोड़ महिलाएं तो कुल व्यय 2.8 लाख करोड़ रुपये होगा। यह 2024—25 में भारत की जीडीपी (328 लाख करोड़ रुपये) का 0.8: है (फरवरी में प्रस्तुत केंद्रीय बजट के अनुसार)। यदि गरीबी अनुपात 5: है, जैसा कि नीति आयोग का दावा है, तो व्यय सकल घरेलू उत्पाद का आधा यानी 0.4: हो जाएगा।

वित्तीय व्यय का अनुमान लगाने का एक अन्य तरीका सबसे गरीब परिवारों को लक्षित करना है — जिनके पास अंत्योदय राशन कार्ड है —लाभार्थियों की कुल संख्या थोड़ी कम होगी। वर्तमान में अंत्योदय अन्न योजना के अंतर्गत 2.33 परिवार। यदि उनमें से प्रत्येक की महिलाओं को 1 लाख रुपये मिलते हैं, तो कुल वार्षिक खर्च 2.33 लाख करोड़ रुपये होगा — या भारत की जीडीपी का 0.7:। दूसरा वादा — सभी सरकारी रिक्तियों में से आधी महिलाओं के लिए आरक्षित करने का कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं होगा क्योंकि ये पहले से ही मौजूद रिक्तियां हैं।

आशा, आंगनवाड़ी और मध्याह्न भोजन तैयार करने में शामिल महिलाओं के मासिक वेतन में केंद्र सरकार के योगदान को दोगुना करने का — सामाजिक कल्याण के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाली अर्थशास्त्री दीपा सिन्हा के अनुसार, छोटा ही सही, कुछ वित्तीय प्रभाव पड़ेगा। . ऐसा इसलिए है क्योंकि वेतन स्तर काफी कम है। पिछले साल मार्च तक, 10.5 लाख आशा कार्यकर्ता, 12.7 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और 25 लाख से अधिक मिड—डे मील रसोइये थे। सिन्हा का कहना है कि इन तीनों समूहों को क्रमशः लगभग 2,000 रुपये, 4,500 रुपये और 1,000 रुपये का मासिक वेतन मिलता है। उदाहरण के लिए, 2021—22 में, केंद्र ने सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन पर 8,908 करोड़ रुपये खर्च किए — और वे तीनों की तुलना में सबसे अधिक वेतन अर्जित करते हैं। इन राशियों को दोगुना करना मान लीजिए कुल 54,000 करोड़ रुपये अभी भी भारत की जीडीपी (328 लाख करोड़ रुपये) का काफी नगण्य प्रतिशत है।

हर पंचायत में महिलाओं के अधिकारों के लिए कानूनी सलाहकारों (अधिकार मैत्री) की नियुक्ति के सटीक वित्तीय बोझ का अनुमान लगाना मुश्किल है। ऐसा इसलिए क्योंकि पारिश्रमिक को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। प्रत्येक जिले में कामकाजी महिला छात्रावासों के निर्माण की लागत का अनुमान लगाना भी मुश्किल है। मेहरोत्रा घ्बताते हैं कि ये हॉस्टल मुफ्त नहीं हैं। दूसरे शब्दों में उनकी परिचालन लागत यकीनन कामकाजी महिलाओं द्वारा स्वयं वहन की जा सकती है। जहां तक बिल्डिंग की लागत की बात है तो यह इस बात पर निर्भर करता है कि ये हॉस्टल कितने बड़े हैं।

भारत सरकार देश भर में सभी जिला मुख्यालयों में कम से कम एक कामकाजी महिलाओं का हास्टल बनाएगी और पूरे देश में इन हास्टलकी संख्या दोगुनी की जाएगी। इसके पहले हमने भागीदारी न्याय, किसान न्याय और युवा न्याय घोषित किए हैं। और ये कहने की जरूरत नहीं कि हमारी गारंटी खोखले वादे और जुमले नहीं होते। हमारा कहा पत्थर की लकीर होती है। यही हमारा 1926 से अब तक का रेकार्ड record है, जब हमारे विरोधियों का जन्म हो रहा था तब से हम मेनिफेस्टो बना रहे हैं, और उन घोषणाओं को पूरा कर रहे हैं। आप सब अपना आशीर्वाद कांग्रेस पार्टी को देते रहिए और लोकतंत्र और संविधान बचाने की इस लड़ाई में हमारा हाथ मजबूत करिए।

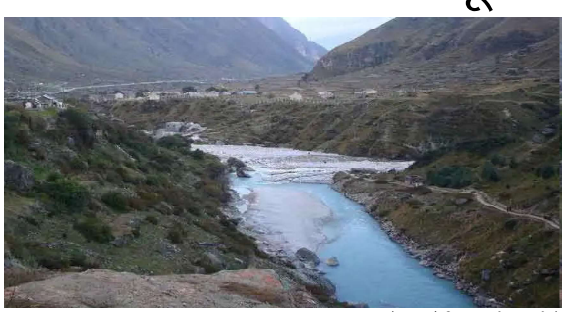

प्रदूषित होती नदियां और प्रदूषण

—ललित गर्ग—

नदियों को बचाने, जश्न मनाने और उनके महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नदियों की कार्रवाई का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 14 मार्च को मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम 'सभी के लिए पानी' है, जो मांग करती है कि नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किया जाए। बढ़ते नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिये उनमें को अपशिष्ट या सीवेज, कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ, गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग को डालने से रोकना होना, हमने जीवनदायिनी नदियों को अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। समूची दुनिया में पीने का शुद्ध पानी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके विश्व स्तर पर लोगों को नदियों को बचाने के बारे में बात करने के लिए अग्रसर करना एवं उनमें जागरूकता पैदा करना है। नदियाँ भी अत्यधिक खघ्तरे में हैं, विश्व की 10 प्रतिशत से भी कम नदियां सुरक्षित हैं। इस दिवस की शुरुआत 1997 में कूर्टिबा ब्राजील में बांधों के प्रभावित होने से हुए जान—माल के नुकसान को देखते हुए की गई।

नदियों की कार्रवाई का अंतर्राष्ट्रीय दिवस दुनिया की नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करती हैं। इसके अन्य उद्देश्यों में है कि नीतियों और अभियानों को सूचित करने के लिए मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान करना। विनाशकारी परियोजनाओं का पर्दाफाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाना। एक ऐसी दृष्टि विकसित करना जो नदियों और उन पर निर्भर समुदायों की रक्षा करे क्योंकि नदियाँ विश्व की जैव विविधता को बहाल करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण हैं। नदी प्रणालियाँ पृथ्वी की उच्चतम जैविक विविधता और हमारी सबसे गहन मानवीय गतिविधि का क्षेत्र भी हैं। नदियाँ हमारे ग्रह की धमनियाँ हैं। वे सच्चे अर्थों में जीवन रेखा हैं। नदियाँ कभी उल्टी दिशा में नहीं जातीं। इसलिए, नदी की तरह जीने की कोशिश करें, अपने अतीत को भूल जाएं और अपने भविष्य पर ध्यान केंद्रित करें। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

इस वर्ष दुनिया जैविक विविधता पर 15वें सम्मेलन (सीबीडी) के लिए एकत्र हो रही है। मीठे पानी का पारिस्थितिकी तंत्र दुनिया में सबसे अधिक खघ्राब है और इसे बदलने के लिए वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता है। भारत एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है लेकिन दुर्भाग्य से प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी—देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। भारत की नदियों की दिन—ब—दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। नदियों की साफ—सफाई के नाम पर कई हजार करोड़ रुपए बहा दिए गए हैं, लेकिन लगता है सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये। यही कारण है कि नदियों में प्रदूषण की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है बल्कि साल—दर—साल पानी और गंदा व स्थिति खराब ही हुई है। नदियां पेयजल उपलब्धि का बड़ा माध्यम है, लेकिन इनके प्रदूषित होने से पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

हिंदुस्तान का जिस तरह का मौसम चक्र है उसमें हर नदी चाहे वो कितनी भी प्रदूषित क्यों न हो, साल में एक बार वर्षा के वक्त खुद को फिर से साफ करके देती है, पर इसके बाद हम फिर से इसे गंदा क्यों कर देते है? लेकिन मोदी ने नदियों की शुद्धता एवं पवित्रता के लिये व्यापक एवं प्रभावी उपक्रम किये हैं, जो समूची दुनिया के लिये नदी प्रबंधन एवं प्रदूषण मुक्ति के अनुकरणीय है। केंद्रीय जल संसाधन के अनुसार गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम शुरू हो गया है। गंगा को विषाक्त कचरे से मुक्ति इसलिये मिलना संभव हो पाया है क्योंकि प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ सख्ती बरती जा रही है। लेकिन विडम्बना है कि सरकार की सख्ती के बावजूद गंगा के नाम पर भी भ्रष्टाचार अविरल चल रहा है। अगर गंगा रूठ गई तो न दोआबा रहेगा और न देश में हरियाली रहेगी। न गंगा के वे लोकगीत, जिन्हें गाती हुई महिलाएं कार्तिक स्नान के लिए भोर में जाती है। गंगा के किनारे पर साधु—संत बड़ी—बड़ी आरतियां लेकर आरती गाते हैं, बड़े—बड़े आश्रम बनावकर मंडलेश्वर बने हैं उन्होंने कभी क्यों नहीं सोचा कि गंगा जो उनकी सब कुछ है, उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचला जा रहा है। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान—पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ।

आधुनिक शोधों से भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को प्रभावित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है। गंगा ने अपनी विभिन्न धाराओं से, विभिन्न स्रोतों से भारतीय सभ्यता को समृद्ध किया, गंगा विश्व में भारत की पहचान है। वह मां है, देवी है, प्रेरणा है, शक्ति है, महाशक्ति है, परम शक्ति है, सर्वव्यापी है, उत्सवों की वाहक है। एक महान तीर्थ है। पुराण कहते हैं कि पृथ्वी, स्वर्ग, आकाश के सभी तीन करोड़ तीर्थ गंगा में उपस्थित रहते हैं। गंगाजल का स्पर्श इन तीन करोड़ तीर्थों का पुण्य उपलब्ध कराता है। गंगा का जल समस्त मानसिक एवं तामसिक दोषों को दूर करता है। यह जल परम पवित्र एवं स्वास्थ्यवर्धक है, जिसमें रोगवाहक कीटाणुओं को भक्षण करने की क्षमता है। गंगा का दर्शन मात्र ही समस्त पापों का विनाश करना है। जिस गंगा का इतना महत्व है, उपयोगिता है तो फिर क्यों उसके प्रति उपेक्षा एवं उदासीनता बरती जाती रही है?

दुनियाभर में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है। आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश एवं दुनिया के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं— पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं।

सेहत के लिए हानिकारक है धूम्रपान

—योगेश कुमार गोयल—

धूम्रपान के आदी मित्रों और परिजनों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष मार्च महीने के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 13 मार्च को मनाया गया। यह दिवस पहली बार 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है, जो इस साल 'तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा' विषय के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल यह गहन चिंतन का विषय है कि पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। ऐसे बच्चों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती—फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि—आदि। चूंकि बच्चों का मन कोमल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझने की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे—धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है और बच्चों पर तो इसका प्रभाव बहुत घातक होता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है।

दुनियाभर में धूम्रपान के कारण हर साल 70 लाख से भी ज्यादा मौतें हो रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरुष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे—धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। धूम्रपान कितना खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सिगरेटों के खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

मोदी को तीसरा कार्यकाल दीजिए, भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा –मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–गोण्डा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप लोग पहले जिनको वोट देते थे वो राम के नाम से डरते थे। आपके त्योहार में कर्फ्यू लगाकर रोका जाता था। आज प्रदेश में आस्था और व्यापार सभी कुछ पूरी तरह सुरक्षित है। गोंडा में महाराजा देवी बख्श सिंह के नाम पर मेडिकल कॉलेज बनवाया जाएगा। अयोध्या का विकास होने से सबसे ज्यादा फायदा गोंडा को ही होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को गोंडा में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जहां उन्होंने 1700 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है। भारत का सम्मान बढ़ा है। आतंकवाद और नक्सलवाद खत्म हो चुका है। उन्होंने जनता से आह्वान करते हुए कहा कि मोदी जी को तीसरा कार्यकाल दीजिए, भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश के हर गरीब को मोदी सरकार आवास और स्वास्थ्य बीमा दे रही है। डबल इंजन की सरकार से देश का विकास हो रहा है। मोदी सरकार देश और सीमा की सुरक्षा कर रही है। उन्होंने मंच से फिर एक बार मोदी सरकार के नारे लगाए। सीएम योगी की जनसभा में कैसरगंज से सांसद बृजभूषण शरण सिंह मुख्यमंत्री के मंच से गायब रहे। मंच पर गोडा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह के साथ सात विधायक व एक एमएलसी मौजूद रहे।

सपा जिला सचिव पर जानलेवा हमला

संवाददाता–देवरिया। सपा के जिला सचिव पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला बोल दिया। कार से ठोकर मार कर नीचे गिरा दिया, फिर गाड़ी घुमाकर कुचलने का प्रयास किया। राहगीरों के शोर मचाने पर दोबारा बाइक में ठोकर मार कर फरार हो गए। आसपास के लोगों के फायरिंग की बात कहने से सनसनी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस घायल जिला सचिव को लेकर अस्पताल चली गई। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के शहबाजपुर गांव निवासी सपा जिला सचिव मुन्ना यादव गुरुवार की सुबह जिला मुख्यालय जा रहे थे। अभी वह देवरिया कसया मार्ग के पुरुषोत्तमपुर चौराहे से 100 कदम आगे पहुंचे थे कि पीछे से ओवरटेक कर एक कार चालक ने बगल से ठोकर मार दिया। ठोकर लगते ही मुन्ना यादव सड़क पर गिर पड़े। ठोकर मारने वाले 20 कदम आगे जाकर दोबारा कार को मोड़ लिए। आसपास के लोगों का कहना था कि कार चालक ने दोबारा मुन्ना यादव पर वाहन चढ़ाकर कुचलने का प्रयास किया।

आसपास के लोगों के शोर मचाने पर चालक फिर से बाइक में ठोकर मार कर कसया की ओर भाग निकला। राहगीरों का कहना था कि घटनास्थल पर फायरिंग की आवाज भी सुनी गई। फायरिंग की बात सुनते ही क्षेत्र में सनसनी मच गई। घटना के लगभग 15 मिनट बाद दरोगा अश्वनी सिंह एक दर्जन पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने अपनी जीप से लादकर मुन्ना यादव को सदर अस्पताल भर्ती कराया है। थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद ने कहा कि घटना की जानकारी है। फायरिंग की बात गलत है। मौके पर पुलिसकर्मी पहुंचे।

श्रीराम के विराट रूप के दर्शन से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में विश्वविराट विजयराघव एकमात्र मंदिर है जहां प्रभु श्रीराम के विराट रूप के दर्शन होते हैं और इस मंदिर की स्थापना 2008 में महामंडलेश्वर महंत नरसिंह दास जी महाराज के संयोजन में किया गया था उस समय कई देशों के राजदूत अयोध्या में आए हुए थे। विश्व विराट विजय राघव भगवान के स्थापना के 16 वर्ष पूरे होने पर भगवान का पंचामृत से अभिषेक किया गया और 17 वां पाटोत्वासव मंदिर परिसर में श्री राम कथा के साथ मनाया जा रहा है।महामंडलेश्वर महंत नरसिंह दास महाराज के शिष्य महामंडलेश्वर महावीर दास महाराज ने बताया कि भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में भगवान श्री राम की जन्म स्थली पर विश्व विराट विजय राघव सरकार के विराट रूप का एकमात्र मंदिर स्थापित है।

उन्होंने बताया कि जब प्रभु श्री राम माता कौशल्या के घर प्रगट हुए और माता ने स्तुति की थी उसी विराट रूप का दर्शन मंदिर परिसर में होता है और इस रूप के दर्शन के बाद व्यक्ति जो भी इच्छाएं कामनाएं करता है वह पूर्व होता है क्योंकि माता कौशल्या ने स्तुति में बालक रूप में भगवान को माना तो भगवान ने विराट रूप से बाल स्वरूप में आए और धरती पर मर्यादा की स्थापना की और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। मंदिर परिसर में प्रभु श्री राम की 13 मुखी प्रतिमा सफेद संगमरमर की विराजमान है जिसकी ऊंचाई 9रू15 फिट है। लोगों का मानना है कि जो भी व्यक्ति प्रभु श्री राम के विराट रूप का दर्शन करता है उसको सभी प्रकार की सफलताएं प्राप्त होती है।

प्राकट्योत्सव पर फूल बंगले में विराजे श्री जानकी जीवन सरकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रभु श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या के दर्शन भवन मंदिर के महंत डॉ मनता शास्त्री के संयोजन में ठाकुर जानकी जीवन के 16 वें प्राकट्योत्सव पर सांध्यकालीन में ठाकुर श्रीजानकी जीवन सरकार के साथ पूरे मंदिर परिसर को कोलकाता, हैदराबाद, देहरादून, वाराणसी अयोध्या आदि से मंगाए गए क्विंटलो सुगंधित पुष्पों से सजाया गया यह अनुपम छटा देख श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। महोत्सव के अंतिम दिन सुबह नर्मदेश्वर भगवान शिव का अभिषेक किया गया। ठाकुर जी को छप्पन भोग अर्पण किया गया उसके उपरांत जेवनार गायन के बाद अयोध्या के संतो महंतों को प्रसाद पवाया गया।

मंदिर के महंत डॉक्टर ममता शास्त्री ने बताया कि ठाकुर जानकी जीवन सरकार का विग्रह रामानंदाचार्य के आगमन से गौरवान्वित है जिसका हमारे गुरुदेव भगवान पूर्व सांसद महंत विश्वनाथ दास शास्त्री ने नया रूप प्रदान किया। उन्होंने बताया कि हमारे गुरुदेव भगवान श्री राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई थी और मंदिर परिसर में ही राम मंदिर आंदोलन की नीतियां भी तैयार होती थी आज बड़े ही खुशी की बात है कि अयोध्या में प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर बन रहा है दुख केवल इस बात का है कि हमारे गुरुदेव भगवान मंदिर निर्माण का दर्शन नहीं कर सके। 16 वें प्राकट्योत्सव अयोध्या के संतो महंतों ने ठाकुर जानकी जीवन सरकार के दर्शन किए और जेवनार में भाग लिए। प्राकट्योत्सव पर प्रमुख रूप से नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, महंत राम कुमार दास, महंत गिरीश पति त्रिपाठी, महंत शशिकांत दास, महंत मनीष दास नंद कुमार मिश्र पेड़ा महाराज सहित सैकड़ों संतो महंत दर्शन पूजन कर प्रसाद पाया सभी अतिथियों का सुप्रीम कोर्ट के लोकगीत अशोक मिश्रा और विजय कुमार और चुलबुल में सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

लिपिक और मुंशी को 15 हजार रुपये घूस लेते विजिलेंस ने पकड़ा

संवाददाता–देवरिया। रजिस्ट्री का मूल दस्तावेज देने के नाम पर 15000 घूस लेते बाबू और प्राइवेट मुंशी को विजिलेंस टीम ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों को पुलिस ने सलेमपुर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। एंटी करप्शन की इस कार्रवाई से रजिस्ट्री और तहसील में हड़कंप मच गया।

सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के बरडीहा दलपत निवासी अवध किशोर सिंह ने करीब एक सप्ताह पहले सलेमपुर रजिस्ट्री ऑफिस में जमीन का बैनामा कराया था। वह बैनामा का मूल दस्तावेज लेने को रजिस्ट्री ऑफिस का चक्कर लगा रहे थे। ऑफिस के कनिष्ठ लिपिक ने मूल दस्तावेज देने को 15 घूस की मांग की। अवध किशोर सिंह ने दो दिन पहले इसकी शिकायत फोन करके गोरखपुर विजिलेंस को दी। इसके बाद से इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह के नेतृत्व में एंटी करप्शन की 14 सदस्य टीम गठित की गई। गुरुवार की दोपहर करीब 1 बजे दो वाहनों से एंटी करप्शन की टीम रजिस्ट्री ऑफिस के पास पहुंची। उनके इशारे पर अवध किशोर सिंह 15 हजार लेकर रजिस्ट्री ऑफिस में पहुंचे। कनिष्ठ लिपिक कमलेश प्रसाद तथा प्राइवेट दस्तावेज लेखक रामानंद से बातचीत करने के बाद उन्होंने 15 हजार घूस की रकम बाबू को दिया। पैसा लेते ही आस– पास मड़रा रही एंटी करप्शन टीम ने दोनों को दबोच लिया। टीम ने उनका हाथ धुलवाया तो पानी का रंग लाल हो गया। इसके बाद टीम दोनों को लेकर कोतवाली पहुंच मुकदमे की कार्रवाई शुरू कर दी।

मनीष ने रुपईडीह के बीईओ का संभाला कार्यभार

संवाददाता–गोण्डा। नवागत खंड शिक्षाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने गुरुवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र बनगाई पर पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण कर बीआरसी पर चल रहे शिक्षकों के प्रशिक्षण की जानकारी करते हुए शिक्षकों से परिचय प्राप्त किया।

शिक्षा क्षेत्र रुपईडीह में कार्यरत खंड शिक्षाधिकारी सुशील कुमार सिंह का स्थानांतरण शिक्षा क्षेत्र परसपुर में हो गया। लखनऊ के मोहनलालगंज में कार्यरत खंड शिक्षाधिकारी मनीष कुमार सिंह की तैनाती यहां की गई थी। उन्होंने आकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद शिक्षक संघ के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने नवागत बीईओ मनीष कुमार सिंह को फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इसमें पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष देव प्रकाश पांडेय ,प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार शुक्ला, जिला महामंत्री अजीत तिवारी, अंकित तिवारी, प्रभाकर तिवारी, सुशील कुमार पांडेय ,देव नंदन तिवारी, बालमुकुंद पांडे, रमेश शुक्ला, सुशील तिवारी, राजेश पांडे, बाबूराम, कुलदीप चाहक, रामजीयावन, दिवाकर तिवारी, भुवनेश्वर सिंह सहित काफी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

48 लाभार्थियों को विधायक ने सौंपा ऋण स्वीकृत पत्र

संवाददाता–श्रावस्ती। प्रधानमंत्री की ओर से वंचित वर्गों को पीएम–सूरज योजना के तहत ऋण सहायता देने की योजना है। जिसके लिए वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राधानमंत्री ने कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक उत्थान व रोजगार आधारित जनकल्याण (पीएम सूरज) योजना के राष्ट्रीय पोर्टल का शुभारंभ किया। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट में श्रावस्ती विधायक राम फेरन पाण्डेय ने 48 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत पत्र सौंपा। कलेक्ट्रेट सभागार में विधायक रामफेरन पाण्डेय की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान विधायक, डीडीएम नाबार्ड कैलाश चन्द्र जोशी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा एपी सिंह व जिला समाज कल्याण अधिकारी डा अमरनाथ यति ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान पीएम सूरज योजना के कुल 48 लाभार्थियों को विधायक ने ऋण स्वीकृति पत्र सौंपा। वहीं प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के 12 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड देकर लाभान्वित किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों की ओर से प्रधानमंत्री के वर्चुअल कार्यक्रम को देखा व सुना गया। विधायक ने कहा कि वंचित वर्गों को ऋण सहायता के लिए पीएम सूरज योजना प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री की ओर से यह एक परिवर्तनकारी पहल है। जिसका उद्देश्य समाज के सबसे वंचित वर्गों का उत्थान करना है। इसके तहत पिछड़ा वर्ग व अनुसूचित जाति के गरीब लाभार्थियों को रोजगार करने व आत्मनिर्भरता के लिए ऋण मुहैया कराया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत ने किया। इस मौके पर अग्रणी बैंक प्रबन्धक सुभाष चन्द्र मित्रा, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गिलौला प्रकाश चन्द्र, आशुतोष पाण्डेय, विनय कुमार तिवारी आदि मौजूद रहे।

गुरुदेव की इच्छा से प्राण प्रतिष्ठा के समय अयोध्या में सेवा का अवसर मिला –विजय बापू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्रीरामलला सरकार के प्राण प्रतिष्ठा खुशी में अयोध्याधाम में लगातार भंडारा, अन्नक्षेत्र और लंगर का क्रम जारी हैं। इसी कड़ी में सताधार आश्रम गुजरात की तरफ से विजय बापू के संयोजन में रामघाट चौराहा पर विगत 6 मार्च से विशाल अन्नक्षेत्र चल रहा है। अन्नक्षेत्र में प्रतिदिन सुबह–शाम पांच, पांच हजार श्रद्धालुगण भोजन ग्रहण कर रहे हैं। इस मौके पर विजय बापू ने कहा कि सताधार आश्रम की स्थापना विक्रम संवत 1818 ई. में पूज्य गुरुदेव भगवान संत बापू आपागिगा ने किया था। आश्रम की स्थापना को ढ़ाई सौ वर्ष से ज्यादा का समय हो गया है। यह हमारी नौंवी पीढ़ियां चल रही है। प्रथम गुरु गीगा बापू थे। सताधार आश्रम में एक शिष्य की परंपरा होती है।

उन्होंने बताया कि पूरे विश्व में हमारा भक्त समुदाय है। गुरूदेव की इच्छा थी कि जब अयोध्याधाम में श्रीरामजन्मभूमि पर दिव्य, भव्य, नूतन मंदिर में भगवान रामलला विराजमान होंगे। तो अवधधाम में आश्रम की तरफ से रामभक्तों के लिए विशाल अन्नक्षेत्र चलाया जायेगा। उसी सापेक्ष में रामघाट चौराहे पर विगत एक महीने से शबरी भंडारा चल रहा है, जिसका खर्चा संस्था स्वयं वहन कर रही है। इसके हम किसी से सहयोग नही ले रहे हैं। अन्नक्षेत्र में प्रतिदिन सुबह–शाम पांच, पांच हजार श्रद्धालुगण भोजन ग्रहण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विश्व, मानव, अभ्यागत, साधु–संतों आदि के कल्याण हेतु हम सेवा चला रहे हैं। साथ ही साथ गौ सेवा का भी कार्य हम करते हैं। यहां तक कि कन्याओं की शादियां भी हम कराते हैं। शादियों में सहयोग भी करते हैं। सताधार आश्रम गुजरात में 24 घंटे अन्नक्षेत्र चलता है, जिसमें 20 से 25 हजार लोग प्रतिदिन भोजन ग्रहण करते हैं। सनातन धर्म के सभी त्यौहारों को हम धूमधाम से मनाते हैं। मानव, विश्व, जन कल्याण के लिए हम कार्य कर रहे हैं। हमारी प्रसिद्धि कोई नही है। हम ढ़ाई सौ वर्षों से सेवा से जुड़े हैं। सबका कल्याण हो, मानव–मानव और भाई–भाई के अंदर भाईचारा बना रहे। सनातन धर्म आगे बढ़े। विश्व बंधुत्व की भावना स्थापित हो। इस अवसर पर स्वामीनारायण संप्रदाय से जुड़े महंत प्रेम स्वरूप दास हनुमानगढ़ी के महंत बलराम दास समेत अन्य संत–महंत मौजूद रहे।

नव नियुक्त 55 स्टाफ नर्सों को मिला नियुक्ति पत्र

संवाददाता–महराजगंज। सीएमओ कार्यालय के धन्वंतरि सभागार में गुरुवार को 55 स्टाफ नर्सों को नियुक्ति प्रमाण पत्र दिया गया। जिलाधिकारी ने नियुक्ति पत्र देकर सभी को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने कहाकि रोजगार के माध्यम से युवाओं की प्रतिभा का सम्मान हो रहा है। मेडिकल सेवा के क्षेत्र में स्टाफ नर्सों का कार्य बहुत ही कठिन और चुनौती पूर्ण होता है। विपरीत परिस्थितियों में भी उनको अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होता है। समर्पण का भाव से कार्य करने पर मरीजों में डाक्टरों और नर्सों के प्रति सम्मान बढ़ता है। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने कहा नर्सिंग सेवा का क्षेत्र है। इसमे मरीजों को दवा से अधिक भावनात्मक लगाव की आवश्यकता होती है। कोई भी मरीज अस्पताल में बहुत विषम परिस्थितियों में ही आता है और उसे विश्वास होता है कि अस्पताल में उसका बेहतर इलाज होगा। उसके साथ अच्छा बर्ताव होगा। इससे उसके स्वास्थ्य में मनोवैज्ञानिक रूप से तेजी से सुधार होता है। कार्यक्रम में डिप्टी सीएमओ डॉ. कार्तिकेय पांडेय, डीपीएम पूनम, डब्लूयूएचओ एसएमओ डॉ. सलीम मुहम्मद खान, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता विश्वनाथ मल्ल, प्रमोद यादव, चंद्र प्रकाश त्रिपाठी सहित आदि उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सीएमओ कार्यालय में गुरुवार को गोद लिए 10 टीबी मरीजों को पोषण पोटली दिया। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत का सपना साकार करने के लिए हम सबको आगे आना होगा और कदम से कदम मिलाकर इस पर कार्य करना होगा। एक–एक टीबी रोगी को गोद लिया जाए तो वह दिन दूर नहीं जब देश टीबी से पूरी तरह मुक्त होगा। जिलाधिकारी ने पोषण पोटली में मूँगफली, सत्तू, भुना चना, दलिया और प्रोटीन संपूरक प्रदान किया।

परिषदीय छात्र अभिभावकों को मतदान के लिए करेंगे प्रेरित

संवाददाता–महराजगंज। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान करने को लेकर माध्यमिक विद्यालय कौवापुर के छात्र–छात्राओं ने प्रेरित करने का संकल्प लिया। खंड शिक्षाधिकारी स्वामीनाथ ने मतदाता जागरूकता अभियान में विद्यालय के छात्र–छात्राओं को संकल्प दिलाया कि गांव–गांव में मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि मतदान को राष्ट्रीय पर्व की तरह मनाएंगे। मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर गांव–गांव प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित की जाएगी।

तुलसीपुर शिक्षा क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय कौवापुर में छात्र छात्राओं को लोकसभा चुनाव के मतदान के लिए जागरूकता संकल्प दिलाया गया। ग्राम पंचायत में मतदान करने एवं अन्य लोगों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने की शपथ दिलाई गई। बीईओ स्वामीनाथ ने कहा कि बच्चियां घर जाकर अपने माता–पिता को मतदान का संकल्प आवश्यक दिलाएं। वोट देने का अधिकार अमूल्य है, जो कि स्वतंत्रता पूर्व सभी नागरिकों को नहीं मिला था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार और नागरिक दो पक्ष होते हैं। जिसमें नागरिकों का पलड़ा हमेशा भारी रहता है। इसीलिए लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करना जरूरी है। विद्यालय प्रधानाचार्य हरिश्चंद्र ने कहा कि मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को मिलने वाली सुविधा बढ़ा दी गई है। सभी मतदाताओं को लोकतंत्र के पर्व में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए, जिससे स्वस्थ भारत का निर्माण हो सके। मतदान के दिन सबसे पहले मतदान करेंगे फिर जलपान करेंगे। मतदान को मतदाता दिवस के रूप में मनाएंगे। 18 वर्ष पूर्ण युवक युवतियों को पहली बार मतदान करते समय उत्साहित होकर मतदान करेंगे। इस मौके पर भारी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

चकमार्ग से अतिक्रमण नहीं हटने पर हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

संवाददाता–देवरिया। राजस्व विभाग की रिपोर्ट के बाद भी चकमार्ग पर किया गया अतिक्रमण नहीं हटाने का मामला अब हाईकोर्ट में पहुंच गया है। हाई कोर्ट ने 28 मार्च को सुनवाई में प्रदेश सरकार से पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। राजस्व ग्राम सोंदा में चकमार्ग संख्या–150 रकवा 0.061 हेक्टेयर व 10 कड़ी चौड़ा है। यह देवरिया–सलेमपुर फोर लेन के मंडी से शुरू होकर आईटीआईह के पूरब नई बस्ती होते हुए तिलई बेलवा के सीमा तक जाती है। यह सड़क आईटीआई के अतिक्रमण का शिकार है। वास्तविक चकमार्ग आईटीआई के बाउंड्री के अंदर कायम है। लेखपाल, कानूनगो व तहसीलदार की रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई। कास्तकारों द्वारा छोड़े गये जमीन से आवागमन हो रहा है, लेकिन एक बड़ी आबादी अतिक्रमण व सड़क के सकरा होने से बुरी तरह प्रभावित है। सोंदा व तिलई बेलवा के निवासियों द्वारा विगत कई सालों से चकमार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग जिला प्रशासन, शासन तथा मुख्यमंत्री तक से की जा चुकी है। लेकिन अभी तक इसे अतिक्रमण मुक्त नहीं किया गया है। जबकि सड़क इतना सकरा है कि आमने–सामने से दो वाहन नहीं निकल पाते हैं और अक्सर जाम लग जाता है।

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0

M.N.R.N0. 25 / 2024

शिव कुमार आदि

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या हर खासो आम मृतका–श्रीमती चन्द्रावती पत्नी राम बहोरे निवासी अब्बूसराय नगर पालिका बाहर सरहद मिर्जापुर परगना मगलसी तहसील सदर जनपद– अयोध्या

पेशी दिनांक– 05–04–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 04 के 05 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 05–04–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूल वाद सं. 1268 / 2023

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

श्रीमती विजय लक्ष्मी

बनाम

किशोरीलाल आदि

बनाम–1– किशोरी लाल पुत्र स्वर्गीय राम प्रसाद 2– विवेक कुमार पुत्र किशोरीलाल 3– सावित्री देवी पत्नी किशोरीलाल 4– वृजलाल पुत्र राम प्रसाद निवासी ग्राम धरमपुर सहादत परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 22–03–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 1004 / 2022

अजय तिवारी

बनाम

नीलम कुमारी आदि

बनाम–1– शालिनी सिंह पत्नी रणजीत सिंह निवासिनी जलालुद्दीन नगर परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 15–03–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 03 के 15 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 1495 / 2019

पद्मावती बनाम

बनाम

निर्मला देवी आदि

बनाम–1– निर्मला देवी पत्नी अशोक कुमार निवासिनी ग्राम व पोस्ट मजनाई (पूरेनिशा) परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जनपद– अयोध्या 2– राज बहादुर पुत्र राम पियारे निवासी ग्राम–भागीपुर परगना पश्चिम राठ तहसील मिल्कीपुर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 22–03–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 03 के 22 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0

M.N.R.N0. 116 / 2023

वेद कुमारी

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या हर खासो आम 2– राजेन्द्र पुत्र राम दुलारे निवासी ग्राम व पोस्ट– घोड़वल तहसील मिल्कीपुर जनपद– अयोध्या 3– रानी पुत्री राम दुलारे निवासिनी मौजा गद्दोपुर परगना– हवेली अवध तहसील सदर जिला – अयोध्या मृतक–राम दुलारे पुत्र बाबादीन निवासी ग्राम–घोड़वल परगना खण्डासा तहसील मिल्कीपुर जनपद– अयोध्या

मृत्यु दिनांक–11 / 08 / 2011

पेशी दिनांक– 22–03–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 03 के 22 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 22–03–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

सीएम योगी ने अंबेडकरनगर में 21 अरब 22 करोड़ रुपए की परियोजना का किया शिलान्यास व लोकार्पण, निशाने पर रही सपा–कांग्रेस

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। समाजवादी पार्टी अंबेडकरनगर में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर रही। उन्होंने सपा को आड़े हाथों लिया और डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों को भी गिनाया। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले माफिया अंबेडकरनगर में जमीन पर कब्जा करते थे पर आज कोई माफिया किसी जमीन पर कब्जा या बेटी से छेड़छाड़ नहीं कर पाएगा, क्योंकि उसे मालूम है कि ऐसा करने वालों का यमराज अगले चौराहे पर उपचार कर देगा। सीएम ने आमजन से पूछा कि माफिया का उपचार सही है न, जिस पर लोगों ने योगी आदित्यनाथ का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार नहीं होती तो माफिया का इलाज नहीं होता। माफिया पिछली सरकारों द्वारा पाले गए जीव थे, जो उन नेताओं की आजीविका के माध्यम बनते थे। हमने कहा कि गरीबों के जीने के अधिकार को छीनने वालों से जीने का अधिकार छीन लिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अंबेडकरनगर के सिविल लाइन ग्राउंड पर 2122 करोड़ की 4977 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास किया। सीएम ने प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। साथ ही दो निजी औद्योगिक विकास परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया। सीएम ने यहां बच्चों का अन्नप्राशन कराया। कुछ बच्चों से बातचीत कर उनकी शिक्षा के बारे में भी जाना। सीएम ने अंबेडकरनगर में निवेशकों समेत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया।

सीएम ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण सपा के लोग करा पाते। सपा के लोग आपके जनपद का नाम भी मिटा देना चाहते थे। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के नाम पर कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम हटा दिया, लेकिन हमने जोड़ दिया। हमने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर संविधान शिल्पी थे। उनके नाम पर कोई समझौता नहीं हो सकता। सपा दलित विरोधी है, उन्होंने भले ही नाम मिटाया, लेकिन हम फिर से नामकरण करेंगे। यह वही सपा है, जिसने गेस्ट हाउस कांड कराया और दलित महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों को हटाने का आह्वान किया था, लेकिन डबल इंजन की सरकार बाबा साहब के नाम पर पंच तीर्थ का निर्माण करती है। डबल इंजन सरकार ने 4 करोड़ देशवासियों को आवास दिया, पहले गरीब और भक्त को आवास दिया गया, फिर भगवान के मंदिर का भी निर्माण किया गया।

सीएम ने कहा कि अभी यहां पर किसी को मकान, टैबलेट, नियुक्ति पत्र समेत अन्य विकास योजनाओं का लाभ दिया। यदि डबल इंजन सरकार नहीं होती तो यूपी में 56 लाख गरीबों को मकान नहीं मिल पाता। सपा और कांग्रेस के लोग नहीं दे पाते, वहां चाचा और भतीजे में जंग लगी है। नियुक्ति आते ही परिवार वसूली में मस्त हो जाता था। पहले लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था, लेकिन आज हर जरूरतमंद को बिना भेदभाव गरीब कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। सीएम ने कहा कि जब सरकार का उद्देश्य लोककल्याण होता है तो ऐसे कार्यक्रम होते हैं, जब सरकार में बैठे लोगों का चश्मा परिवार के बाहर नहीं देखता है तो गरीब कल्याणकारी योजनाओं में डकैती पड़ती है। 2014 के पहले देश और 2017 के पहले यूपी में सरकार गरीबों के बारे में नहीं सोचती थी, वे सिर्फ मैं और मेरा परिवार के बारे में सोचते थे। मोदी जी कहते हैं कि 140 करोड़ लोगों का भारत ही मेरा परिवार है। जनता–जनार्दन मेरा परिवार है, इन्हें हम सुरक्षा भी देंगे और समृद्धि भी।

सीएम ने कहा कि अंबेडकरनगर के दो उद्यमियों को उद्योग लगाने के लिए प्रमाण पत्र जारी किए। अंबेडकरनगर को छह हजार करोड़ से अधिक निवेश के प्रस्ताव मिले। इसका मतलब 10 हजार लोगों को यहां ही प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से नौकरी व रोजगार प्राप्त होगा। विकास का जितना कार्य हुआ है, पहले कभी नहीं हुआ था। दस वर्ष में केंद्र व सात वर्ष से प्रदेश में आपने भाजपा सरकार बनाई, दोनों सरकार मिलकर कार्य कर रही है तो निवेश भी आ रहा, विकास भी हो रहा, रोजगार भी मिल रहा, गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। विकास की रफ्तार को सरपट कई गुना बढ़ाने का कार्य हो रहा है।

सीएम ने कहा कि अंबेडकरनगर हमारा पड़ोसी जनपद है। गोरखपुर व अंबेडकरनगर का बॉर्डर मिलता है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे अंबेडकरनगर से होकर जा रहा है। विकसित भारत के लिए विकसित यूपी और विकसित यूपी के लिए विकसित अंबेडकरनगर आवश्यक है, विकसित अंबेडकरनगर के लिए डबल इंजन की सरकार आवश्यक है। मां लक्ष्मी हमेशा कमल के फूल पर आती हैं। मोदी सरकार के लिए मां लक्ष्मी का आशीर्वाद आवश्यक है। सीएम ने बताया कि अंबेडकर नगर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज का भी शिलान्यास किया है। इससे यहां की बेटियों को बीएससी, एमएससी नर्सिंग समेत आगे की पढ़ाई की सुविधा प्राप्त होगी। इस दौरान अंबेडकरनगर के प्रभारी मंत्री गिरीश चंद यादव, सांसद व भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी रितेश पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष साधु वर्मा, विधान परिषद सदस्य पद्मसेन चौधरी, हरिओम पांडेय आदि मौजूद रहे।

एडिशनल सीएमओ का कुष्ठ रोग अधिकारी पद पर समायोजन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश शासन चिकित्सा अनुभाग–2 के विशेष सचिव शिव सहाय अवस्थी ने एडिशनल सीएमओ डॉ. दिनेश कुमार चौधरी का जिला कुष्ठ रोग अधिकारी के पद पर समायोजन कर दिया है। उनका समायोजन सिद्धार्थनगर जिले में ही किया गया है। वर्तमान में स्थाई सीएमओ न होने से वह जिले में प्रभारी सीएमओ के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। विशेष सचिव शिव सहाय अवस्थी द्वारा 12 मार्च को पत्र जारी किया गया है। उन्होंने जारी पत्र में उल्लेख किया है कि प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के संयुक्त निदेशक ग्रेड के चिकित्साधिकारी डॉ. दिनेश कुमार चौधरी अपर मुख्य चिकित्साधिकारीधजिला क्षय रोग अधिकारी सिद्धार्थनगर को जनहित में जिला कुष्ठ रोग अधिकारी सिद्धार्थनगर के पद पर समायोजित किया जाता है। विशेष सचिव ने डॉ. चौधरी को निर्देशित करते हुए कहा है कि वह अपनी नवीन तैनाती के पद पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कर कार्यभार प्रमाणक शासन को उपलब्ध कराएं। हालांकि डॉ. चौधरी के पद को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। शासन उन्हें अपर मुख्य चिकित्साधिकारीधजिला क्षय रोग अधिकारी मान रहा है, जबकि वह लगभग एक वर्ष से एसीएमओ आरसीएच व स्टोर इंचार्ज के पद पर रहे हैं। वर्तमान में सीएमओ डॉ. नरेंद्र कुमार बाजपेयी के निलंबित होने पर प्रभारी सीएमओ के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।

पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले से जुड़ा एक और आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने के मामले से जुड़े एक और आरोपित को एसटीएफ व इटवा पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार को इटवा से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपित बिहार के रोहतास जिले का रहने वाला है।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान 17 व 18 फरवरी को इटवा समेत जिलेभर में 10 सॉल्वर, अभ्यर्थी व मीडिएटर पकड़े गए थे। मामले में केस दर्ज करने के बाद से पुलिस टीम सॉल्वर गैंग के गुर्गों की तलाश में जुटी हुई है। गुरुवार को भी एसटीएफ गोरखपुर व इटवा पुलिस की संयुक्त टीम ने पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले से जुड़े एक और आरोपित को इटवा से गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपित की पहचान रंजन कुमार पुत्र केशव प्रसाद निवासी सनात बिगा थाना

डालमिया नगर जिला रोहतास बिहार के रूप में हुई है। आरोपित को पकड़ने वाले पुलिस टीम में उनके साथ एसआई रमेश साहनी, सर्वेश चन्द, हेड कांस्टेबल राकेश पटेल, कांस्टेबल धर्मवीर व एसटीएफ गोरखपुर के निरीक्षक सत्य प्रकाश अपनी टीम के साथ शामिल रहे। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने के मामले में अब तक इटवा पुलिस ने सॉल्वर गैंग से जुड़े 16 आरोपितों की गिरफ्तारी कर चुकी है।

अयोध्या को 1090 करोड़ की योजनाओं की सौगात, योगी बोले- आपकी आतिथ्य सेवा से पूरा देश अभिभूत

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अब तक लाखों लोग अयोध्या आकर भगवान श्रीराम के बालरूप का दर्शन कर रहे हैं। आज पूरा देश अयोध्यावासियों के आतिथ्य से अभिभूत है। हमने पहले जिले का नाम अयोध्या किया अब मंडल का नाम भी अयोध्या हो गया है। ये सब प्रभु श्रीराम की प्रेरणा से हुआ। वो कहते थे कि रामलला को आना है पहले नाम तो सही कर लो। सीएम योगी ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद से लाखों की संख्या में हर रोज श्रद्धालु आ रहे हैं। आज अयोध्या दोगुना रफ्तार से तरक्की कर रही है। व्यवसाय बढ़ रहा है। यह सब प्रभु श्रीराम की प्रेरणा से हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में 1090 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर सांसद लल्लू सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव, अमित सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय, लोकसभा चुनाव संयोजक बांके बिहारी मणि त्रिपाठी व पूर्व विधायक गोरखनाथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साकेत महाविद्यालय हेलीपैड से सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे। वहां पहुंचकर हनुमानजी की आरती उतारी और दर्शन पूजन किया। उसके बाद श्रीराम लला के दर्शन–पूजन कर देश और प्रदेशवासियों के कल्याण व सुख–समृद्धि की कामना की। हनुमानगढ़ी के दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन का हाल हाल–चाल जाना। इससे पहले 22 जनवरी को प्राण–प्रतिष्ठा, 23 जनवरी को व्यवस्थाओं का जायजा लेने व 11 फरवरी को कैबिनेट संग दर्शन–पूजन के बाद 14 मार्च को विकास परियोजनाओं की सौगात देने सीएम योगी अयोध्या पहुंचे। बता दें कि मुख्यमंत्री जी का मार्च माह का पहला दौरा है। हनुमानगढ़ी में दर्शन–पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला के दर्शन–पूजन किए। वहीं मंदिर परिसर में अधिकारियों से व्यवस्था की जानकारी ली। सीएम योगी ने रामलला के मंदिर में साष्टांग दंडवत होकर प्रभु श्रीराम से प्रदेशवासियों के सुख और समृद्धि की कामना की।

घूसखोरी में विकास खंड सचिव को चार साल की सजा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भ्रष्टाचार का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम अवनीश कुमार राय ने गेहूं क्रय केंद्र शक्तिनगर विकास खंड चरगांवा के तत्कालीन सचिव प्रभारी सौरभ सिन्हा को चार साल के कठोर कारावास एवं 12500 रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने पर दो माह 15 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक घनश्याम त्रिपाठी ने बताया कि वादी संतलाल यादव चिलुआताल थाना क्षेत्र के ग्राम देवीपुर टोला दुर्गापुर का निवासी है। पेशे से किसान संतलाल ने अपना गेहूं बेचने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। उन्होंने डीसीएफ गेहूं क्रय केंद्र शक्तिनगर विकास खण्ड चरगांवा जो ग्राम जगदीशपुर विकास खण्ड जंगल कौड़िया में है, पर 19 अप्रैल 2018 को 24 कुंतल गेहूं बेचा था। उसी का भुगतान खाते में करने के लिए अभियुक्त ने प्रति कुंटल 150 रुपया यानि 36 सौ रुपये रिश्वत की मांग की थी।

चार बार हुई पैमाइश, फिर आम सहमति से हुआ सीमांकन

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में खलीलाबाद के मीरगंज गांव में नेशनल हाईवे के उत्तर तरफ बस डिपो की जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद पैमाइश व सममति के बाद समाप्त हो गया। नायब तहसीलदार राजेश मिश्रा की अगुवाई में राजस्व टीम ने शिकायतकर्ताओं को साथ लेकर जमीन की फिर से पैमाईश की। तीन बार की पैमाइश बेनतीजा रही लेकिन चौथी बार की पैमाइश पर लोगों की आम सहमति बन गई जिससे अब यहां पर जल्द बस डिपो बनाने का कार्य शुरू हो जाएगा।

राजस्व विभाग की टीम ने दूसरी पैमाईश मीरगंज से पूरब करीब दो किलोमीटर दूर दलेलगंज से शुरू हुई। इस पैमाईश से सभी शिकायतकर्ता संतुष्ट नजर आए। उसके बाद लेखपाल ने मीरगंज के पश्चिम नहर से पैमाईश की। इस पैमाईश से काश्तकारों की जमीन करीब 14 मीटर कम होने लगी। जिस पर शिकायतकर्ताओं और राजस्व टीम के बीच नोक झोंक हो गई। लोगों ने लेखपाल की जानकारी और कार्यशैली पर ही सवाल खडा़ कर दिया। उसके बाद काश्तकारों ने पैमाईश मानने से इंकार कर दिया और जाने लगे।

शिकायतकर्ता विष्णु पांडेय ने बताया कि एक बार पुनः बातचीत हुई। बातचीत के बाद आम सहमति बनी कि जो रास्ता पुराने ईंट भट्ठे पर जा रहा है वह बाधित नहीं किया जाएगा। बस डिपो उसके पूरब अराजी नंबर 90 और 91 मि. में ही बनाया जाएगा। इस पर लोग सहमत हो गए। एक कागज पर सीमांकन का नक्शा बनाकर सभी से हस्ताक्षर कराया गया। पुनः पैमाईश कराकर विवाद का समाधान कराने पर शिकायत कर्ताओं और अन्य लोगों ने जिलाधिकारी के प्रति आभार प्रकट किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर से निर्गत एम.एस.सी. गणित प्रथम वर्ष अनुक्रमांक **17207088510005** वर्ष **2017** शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज बस्ती से प्राप्त अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(विजय प्रकाश तिवारी)
पुत्र– श्री सभापति तिवारी
ग्राम– गोपाल देवरिया
पोस्ट– झकही बाबू
तहसील खजनी
जनपद– गोरखपुर
मो0 8416994918

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांक: निर्माण/निविदा/बस्ती/2024–712 | दिनांक: 14.03.2024

–: अति0 अलपकालीन ई–निविदा सूचना :–

निम्न कार्यो की निविदा पत्रॉक 545 दिनांक– 10.01.2024 पत्रांक 575 दिनांक 6.02.2024 पत्रांक 600 दिनांक 15.02.2024 एवं पत्रांक–614 दिनांक–23.02.2024 के माध्यम से मण्डी परिषद एवं सरकारी विभागों/कार्यदायी सस्थाओं मे पंजीकृत (लो०नि०वि०, आर०ई०डी०, यू०पी०आर०एन०एन०, यू०पी०पी०सी०एल०) में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारो/फर्म से अलग–अलग तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई–टेण्डरिंग के माध्यम से दिनाक 12.03.2024 को आनॅलाइन निविदायें आमन्त्रित की गयी थी जिसमे क्रमांक/निविदा संख्या–30 मे बैध निविदा न प्राप्त होने एवं क्रमांक/निविदा संख्या–31 में कोई निविदा न प्राप्त होने के कारण सम्बन्धित कार्य की निविदा पुन: ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनाक 02.04.2024 को आमंत्रित की जाती है जो अपरान्ह 12.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। जो उसी दिन निविदादाता, ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों (यदि उपस्थित हुए) के समक्ष दिनांक 02.04.2024 को अपरान्ह 12:30 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आनॅलाइन खोली जायेगी। निविदा की तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने पर वित्तीय बिड खोली जायेगी।

क्र0 सं0	मण्डी समिति का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैद्यता	निविदा की श्रेणी	मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेण जो निविदा में प्रतिभाग कर सकते है
1		3	4	5	6	7	8		9
30	शोहरतगढ़	न0सं0मार्ग खुनवा शोहरतगढ़ मुख्य मार्ग से रमवापुर तिवारी गॉव तक। 2023_RKUMP_872743_6	46.75	4.35	8300.00	04	90	"स"	अ, ब, स,
31	शोहरतगढ़	न0सं0 मार्ग सेहूणी से पलिया सिसवा तक। 2023_RKUMP_872744_6	39.68	4.00	7100.00	03	90	"द"	अ, ब, स, द

नोट:–

(1) धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा साऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग–अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

(2) निविदादाता द्वारा अपलोड किये गये प्रपत्रों में से यदि कोई भी प्रपत्र फर्जी पाया जाता है तो ऐसे निविदादाता द्वारा मण्डी परिषद के खाते में जमा जमानत धनराशि को मण्डी परिषद के खाते में जब्त करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

(3) मण्डी परिषद मुख्यालय के आदेश पत्राक मु0अभि0ग्रेड–2/(1168)/भाग–4/2005) /2022–641 दिनांक 11.08.2022 एवं पत्रांक 217 दिनांक 29.05.2023 एवं परिषद पत्रांक 487 दिनांक 11.07.2023 के अधीन 'अ' एव 'ब' श्रेणी मे मण्डी परिषद के अतिरिक्त अन्य सरकारी विभागों/कार्यदायी संस्थाओं (लो०नि०वि०, आर0ई०डी०, यू०पी०आर०एन०एन०, यू०पी०पी०सी०एल०) में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार निर्धारित नियमों के अनुरूप ही प्रतिभाग कर सकेंगे। पी0डब्लू0डी0, आर0ई०डी०, यू०पी०आर०एन०एन०, व यू०पी०पी०सी०एल०)विभाग 'अ' श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार "अ" व "ब" श्रेणी के कार्य में तथा "ब" श्रेणी में पंजीकृत फर्म "ब" श्रेणी के कार्य की निविदा में प्रतिभाग कर सकते है। अन्य श्रेणी के कार्यो में प्रतिभाग करने पर निविदा प्रथम दृष्टया निरस्त कर दी जायेगी।

(4) अन्य सरकारी विभागों मे पंजीकृत ठेकेदारों की निविदा प्रथम न्यूनतम आती है तो उन्हें मण्डी परिषद में पंजीकरण कराना होगा तथा अनुबन्ध गठन के समय 10 प्रतिशत अतिरिक्त धरोहर धनराशि जमा करनी होगी।

(5) विस्तृत नियम व शर्तें आनॅलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

उप निदेशक (निर्माण)

डीआरआई ने गोरखपुर में 11 किलोग्राम सोने के साथ दो को दबोचा, कुल 61 किलो जब्त

संवाददाता–गोरखपुर। डायरेक्टर ऑफ रेवन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआई) की संयुक्त टीम ने गोरखपुर, मुजफ्फरपुर और गुवाहाटी में सोने की तस्करी से जुड़े एक बड़े सिंडिकेट का खुलासा किया है। तीनों जगहों पर टीम ने 61.08 किलो सोना, 19 गाड़ी, नकदी के साथ दो मास्टरमाइंड सहित सिंडिकेट के 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। सोने की कीमत 40 करोड़ रुपये आंकी गई है। गोरखपुर में दो लोगों के पास से 11 किलोग्राम सोना बरामद किया गया है। बताजा जा रहा है कि डीआरआई की टीम को सूचना मिली थी कि म्यांमार से बिहार, गोरखपुर होते हुए दिल्ली और जयपुर में तस्करी का सोना ले जाया जाएगा। इस पर डीआरआई ने चार राज्यों में 12 और 13 मार्च को तस्करों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चलाया। जिसका कोड श्श्श्राइजिंग सनश्श्श रखा गया। टीम ने तस्करों के पास से 19 वाहन, नकदी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं बरामद की हैं। डीआरआई अधिकारियों ने गोरखपुर में कसया हाइवे के पास गाड़ियों की चेकिंग तो उनके पास से 11 किलो सोना मिला। सोना ले जा रहे कागजात नहीं दिखा पाए। इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसी प्रकार गुवाहाटी में 37.04 किलोग्राम सोना, 13 लाख रुपये, वाहन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ छह लोगों को पकड़ा। इनसे पूछताछ के आधार पर मुजफ्फरपुर के डीआरआई अधिकारियों ने एक वाहन को रोका और 13.04 किलोग्राम सोना बरामद किया। पकड़े गए तस्करों से पूछताछ में पता चला कि सिंडिकेट भारत–म्यांमार बार्डर से सोने की तस्करी करता है और उसे गुवाहाटी में एकत्र किया जाता है। इसके बाद दिल्ली, जयपुर व अन्य जगहों पर ले जाकर सप्लाई करते हैं। डीआरआई की टीम पकड़े गए लोगों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई पर जुट गई है। गोरखपुर के हिंदी बाजार में भी सोने की तस्करी से जुड़े नेटवर्क खंगाले जा रहे हैं। पहले भी यहां म्यामार व बिहार के तस्करों को सोने के साथ पकड़ा जा चुका है।

मारपीट कर बुजुर्ग को घायल किया

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाना अन्तर्गत मजनू चौकी क्षेत्र के ग्राम सभा काजीपुर में बुद्धवार देर रात पुरानी रंजिश को लेकर गांव के चार लोगों ने दरवाजे पर सोए बुजुर्ग को मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। मजनू चौकी पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजते हुए एक आरोपी को हिरासत में ले लिया। मजनू चौकी क्षेत्र के ग्राम सभा काजीपुर निवासी धीरेन्द्र यादव पुत्र राजकुमार यादव चिलुआताल थाने में तहरीर दी है कि बुधवार रात गांव के उपेन्द्र सिंह पुत्र रामबचन सिंह अपने साथ आनन्द सिंह पुत्र रामबचन सिह, बिजई सिंह, बल्ली यादव को लेकर पहुंचे।

कार्यालय सिविल जज (जू० डि०)/जे०एम०, बांसी सिद्धार्थनगर।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधाराण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय सिविल जज (जू० डि०)/जे०एम०. बासी, सिद्धार्थनगर परिसर में कैन्टीन (चाय/जलपान पान की दुकान तथा साइकिल/वहन स्टैण्ड) की नीलामी वित्तीय वर्ष 2024 2025 के लिए दिनांक–22–03–2024 को समय करीब 04:00 बजे की जायेगी । इच्छुक व्यक्ति समय से उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकते हैं ।

दुकानों का विवरण	न्यूनतम बोली की धनराशि
1– कैन्टीन (चाय/जलपान)	85000/– रू०
2– पान की दुकान	19965/– रू०
3– साइकिल/वाहन स्टैण्ड	30200/ – 70

बोली की न्यूनतम धनराशि का 10% अथवा 2000 रु०, जो ज्यादा हो उसको जमानत धनराशि के रूप में जमा करनी होगी। जमानत धनराशि बोली लगाने के पूर्व बोली लगाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा जमा करनी होगी बोली जिसके पक्ष में समाप्त होगी उसकी जमानत धनराशि को उसके द्वारा लिये गये ठेके के धनराशि में समायोजित कर लिया जायेगा तथा व्यक्तियों की जमानत धनराशि उन्हें वापस कर दिया जायेगा।

आज्ञा से
प्रभारी अधिकारी नजारत अनुभाग
बाह्य न्यायालय बांसी, सिद्धार्थनगर ।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदा्अलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 272/2000
राजकुमार
बनाम
हजारी लाल आदि

1/1 शिवनरायन उम्र 35 वर्ष 1/2 रामनरायन उम्र 32 वर्ष 1/3 कृष्ण गोपाल उम्र 30 वर्ष पुत्रगण हजारीलाल 2/1 ओम प्रकाश उम्र 40 वर्ष पुत्र लालजी 5/1 श्रीमती भवानी उम्र 55 वर्ष पत्नी रामकेश 6/1 फूलचन्द्र उम्र 60 वर्ष पुत्र ओरीलाल साकिनान मौजा बेहरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–03–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 29 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सड़क दुर्घटना में हेड मास्टर घायल

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी प्रदीप कुमार गुरुवार की सुबह मैजिक वाहन की चपेट में आने घायल हो गए। बाइक से स्कूल जा रहे हेडमास्टर की बाइक में मैजिक वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे वह उछलकर नहर में गिर गए। उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की जानकारी होने पर परिजन उनको अस्पताल ले गए।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com